कोटद्वार, गुरूवार
19 मार्च 2026
वर्षः 48
अंकः 289 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

डंपर ने फाइनेंस कंपनी के एग्जीक्यूटिव को कुचला, मौत

हल्द्वानी। शहर के टीपी नगर चौकी क्षेत्र में मंगलवार रात एक बेकाबू डंपर ने फाइनेंस कंपनी के एग्जीक्यूटिव को रौंद दिया। सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। मूल रूप से कैंची धाम के ग्राम हरतपा निवासी 27 वर्षीय अनिल रौतेला पुत्र हरीश रौतेला पंचायत घर क्षेत्र में अपने बड़े भाई अर्जुन के साथ रहते थे। वह चोला मंडलम फाइनेंस लिमिटेड में कलेक्शन एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत थे। अर्जुन ने बताया कि मंगलवार रात करीब 9 बजे दोनों भाई टीपी नगर चौकी के पास एक फास्ट फूड की दुकान पर गए थे। लौटने के दौरान जैसे ही अनिल बाइक पर सवार होने को जा रहा था, तभी टीपी नगर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अनिल के पेट और पैरों में गंभीर चोटें आईं। उन्हें एसटीएच लाया गया, लेकिन उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अनिल की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि दुर्घटना के बाद मौके से भागने की कोशिश कर रहे डंपर चालक को पकड़ लिया गया है। डंपर को सीज कर दिया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। परिवार गांव में रहता है।

मुख्यमंत्री ने दी नव संवत्सर और चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को नव संवत्सर के साथ ही चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दी है। चैत्र नवरात्रि को शक्ति की उपासना का पर्व बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति की महान परंपरा का प्रतीक है। नवरात्र का यह पर्व समाज में नारी के महत्व और सामर्थ्य को दर्शाता है। इस अवसर पर किया जाने वाला कन्या पूजन नारी शक्ति के महत्व का प्रतीक है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी से नारियों के सम्मान की भी अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पौराणिक ग्रन्थों में चैत्र नवरात्रि को विशेष महत्व दिया गया है। इसे आत्मशुद्धि तथा सद् प्रवृत्ति का आधार माना गया है। चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा का पूजन करने से नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। चैत्र नवरात्रों की प्रदेश में धार्मिक महत्ता के दृष्टिगत सभी प्रमुख देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की परम्परा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सनातन परम्परा में किसी भी शुभ कार्य के प्रारम्भ में संकल्प लेने का विधान रहता है। शक्ति के अनुष्ठान का यह पर्व रचनात्मक एवं सृजनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरणा प्रदान करने वाला हो इसका हमें संकल्प लेना होगा। यह पर्व हमें नवीन उत्साह के साथ देश व समाज की सेवा की भी प्रेरणा देता है। यह नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि प्रदान करने वाला हो इसकी भी मुख्यमंत्री ने कामना की है।

23 मार्च से चारधाम यात्रा के लिए बनेंगे ग्रीन कार्ड

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा–2026 के लिए यात्री वाहन 23 मार्च से उपसंभागीय परिवहन कार्यालय ऋषिकेश ग्रीन कार्ड बनवा सकेंगे। विभागीय अधिकारियों ने आवश्यक सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है।

एआरटी प्रशासन ऋषिकेश रावत सिंह ने बताया कि 23 मार्च को प्रातः 11 बजे कार्यालय में पूजा–अर्चना, यज्ञ–हवन एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ ग्रीन कार्ड बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने चारधाम यात्रा–2026 के सुगम, सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन के दृष्टिगत समस्त व्यावसायिक सवारी वाहनों के संचालकों और चालकों से अपील की है कि वे 23 मार्च से अपने वाहनों का ससमय परीक्षण कराकर, आवश्यक वैध दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित होकर ग्रीनकार्ड प्राप्त करें। बिना ग्रीनकार्ड के किसी भी सवारी वाहन को यात्रा मार्ग पर संचालित होने की अनुनति नहीं दी जाएगी। बता दें कि इस बार 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलेंगे, जबकि 22 अप्रैल को केदारनाथ और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने हैं।

थारू संस्कृति उत्तराखंड की शान, इसे सहेजना हम सबकी जिम्मेदारीः मुख्यमंत्री

खटीमा के थारू होली महामहोत्सव को मुख्यमंत्री धामी ने किया संबोधित , आवास, शिक्षा और रोजगार योजनाओं से जनजातीय परिवारों को मिल रहा बड़ा लाभ, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार दे रही आर्थिक और प्रशिक्षण सहायता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा में आयोजित थारू होली महामहोत्सव को मुख्यमंत्री आवास से वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जनसमुदाय को नमन करते हुए अपनी प्रशासनिक व्यस्तताओं के कारण प्रत्यक्ष रूप से शामिल न हो पाने पर खेद व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि थारू समाज की सांस्कृतिक परंपराएं अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली हैं।

उन्होंने उल्लेख किया कि थारू समाज के रीति–रिवाज, लोकगीत, पारंपरिक नृत्य और प्रकृति के प्रति उनका गहरा जुड़ाव राज्य की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि खटीमा ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड के लिए थारू संस्कृति गर्व का विषय है। विशेष रूप से थारू समाज की होली, जो कई दिनों तक उल्लास और उत्साह के साथ मनाई जाती है, अपनी विशिष्टता के लिए जानी जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य भी करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका मन सदैव खटीमा की जनता के साथ जुड़ा हुआ है, भले ही वे इस बार कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में जनजातीय समुदाय को सशक्त बनाने हेतु अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अटल आवास योजना में आय सीमा को व्यावहारिक बनाते हुए निर्माण लागत में वृद्धि की गई है, जिससे अधिकाधिक परिवारों को लाभ मिल रहा है। उधम सिंह नगर में इस योजना के अंतर्गत करोड़ों रुपये की सहायता प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत भी बड़ी संख्या में जनजातीय परिवारों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं तथा इस वर्ष प्राप्त आवेदनों में लगभग 28 प्रतिशत आवेदन जनजातीय परिवारों के हैं। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत जनपद में कई आवासों का निर्माण किया गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आश्रम पद्धति विद्यालयों, छात्रावासों एवं आईटीआई संस्थानों के विकास के लिए धनराशि प्रदान की जा रही है तथा इन विद्यालयों को कक्षा 12 तक अपग्रेड किया जा रहा है। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के माध्यम से जनजातीय बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। खटीमा, बाजपुर और गदरपुर में छात्रावासों एवं शैक्षिक अवसंरचना के विकास हेतु महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत रोजगार एवं प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। वन धन केंद्रों के माध्यम से उत्पादों को बाजार से जोड़कर आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। महिलाओं को चक्रीय निधि एवं निवेश सहायता प्रदान कर उनके स्वरोजगार को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत अनेक योजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है तथा हजारों परिवारों को पेयजल, बिजली और गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही थारू विकास भवन के निर्माण एवं जनजातीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए भी धनराशि स्वीकृत की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनजातीय परिवारों को बेटी के विवाह हेतु आर्थिक सहायता भी प्रदान कर रही है, जिसका लाभ बड़ी संख्या में लोगों को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जनजातीय क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए विभिन्न जनपदों में जनजाति कल्याण अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारकर वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक जनजातीय परिवार को सम्मानजनक जीवन, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हों।

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर जनजातीय समाज की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार जनजातीय समाज के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को ॒जनजातीय गौरव दिवस॒ घोषित करना जनजातीय समाज के सम्मान का प्रतीक है।

अंत में मुख्यमंत्री ने थारू समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया तथा जनता से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसमर्थन के साथ उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग

एक ही परिवार के सात लोगों की मौत, तीन की हालत गंभीर

नई दिल्ली ,दिल्ली के पालम इलाके में बुधवार को एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। आग लगने से एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग अस्पताल में भर्ती हैं। जानकारी के अनुसार, आग लगने के बाद इमारत के अंदर एक ही परिवार के 10 लोग फंस गए थे। सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरी इमारत धुएं और लपटों से घिर गई। दमकल विभाग के अनुसार, मौके पर आग बुझाने के लिए कुल 25 गाड़ियों को तैनात किया गया है। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने की कोशिश की और धीरे–धीरे स्थिति को नियंत्रण में लाया जा रहा है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। इस हादसे में इमारत के अंदर मौजूद कई लोग धुएं के कारण फंस गए थे। राहत टीमों ने समय रहते लोगों को बाहर निकाला। हालांकि, धुएं की वजह से सांस लेने में दिक्कत होने पर चार लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग लगने के बाद इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी। कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और दमकल विभाग की टीमों को सहयोग करने लगे। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर आसपास के क्षेत्र को खाली कराया और यातायात को नियंत्रित किया। प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इमारत की सुरक्षा व्यवस्था और आग से बचाव के इंतजामों की भी जांच की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल, राहत और बचाव कार्य जारी है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही आग लगने की सूचना मिली, पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। कुछ लोग अस्पताल में भर्ती हैं जिनका इलाज जारी है। आग के कारणों का पता लगने के लिए मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इसके लिए टीम का भी गठन किया गया है और लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

होर्मुज के रास्ते भारत आया एक और जहाज, 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर गुजरात पहुंचा

नई दिल्ली ,पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत के लिए एलपीजी और कच्चा तेल लेकर आए भारतीय ध्वज वाले टैंकर सुरक्षित रूप से गुजरात के बंदरगाहों तक पहुंच रहे हैं। इससे ऊर्जा आपूर्ति को लेकर तत्काल राहत मिली है।

गुजरात के मुंद्रा स्थित अदाणी पोर्ट्स पर भारतीय ध्वज वाले क्रूड ऑयल टैंकर जग लाडकी का आगमन हुआ। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात से कच्चा तेल लेकर पहुंचा है। टैंकर में करीब 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल लदा था, जिसे फुजैराह बंदरगाह से लोड किया गया था।

खास बात यह है कि जहाज उसी दिन रवाना हुआ था, जब फुजैरा के तेल टर्मिनल पर हमला हुआ था। शिवालिक और नंदा देवी के बाद यह भारत पहुंचने वाला तीसरा जहाज है। यह जहाज फारस की खाड़ी से अरब सागर को जोड़ने वाले अहम समुद्री रास्ते होर्मुज से होकर भारत पहुंचा।

मोहब्बत हमारे साथ और शादी मोदी जी से

खरगे ने देश के पूर्व पीएम पर कसा तंज, पीएम मोदी भी नहीं रोक पाए हंसी

नई दिल्ली ,राज्यसभा में कार्यकाल पूरा कर रहे सांसदों की विदाई के अवसर पर भावुक और गंभीर माहौल के बीच कुछ हल्के–फुल्के पल भी देखने को मिले। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने अपने विचार रखे। विदाई समारोह के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा को शुभकामनाएं देते हुए ऐसा मजाकिया टिप्पणी कर दी कि पूरा सदन ठहाकों से गूंज उठा। यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी भी अपनी हंसी नहीं रोक सके। खरगे ने अपने संबोधन में कहा, ,18 मार्च (आरएनएस)मैं देवेगौड़ा जी को पिछले 54 साल से जानता हूं, उनके साथ लंबे समय तक काम किया है। उन्होंने मोहब्बत हमारे साथ की, लेकिन शादी मोदी साहब के साथ कर ली।,18 मार्च (आरएनएस) जैसे ही उन्होंने यह बात कही, सदन में जोरदार ठहाके लगने लगे।

अठावले पर भी हल्का तंज

खरगे यहीं नहीं रुके। उन्होंने केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि वह अपनी कविताओं के जरिए हमेशा प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हैं और लगता है कि उन्हें इसके अलावा कोई और कविता नहीं आती। इस टिप्पणी के बाद भी सदन में हंसी का माहौल बन गया।

पीएम मोदी ने भी दी शुभकामनाएं

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने संबोधन में कार्यकाल पूरा कर रहे सांसदों के योगदान की सराहना की और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सेवा का भाव कभी समाप्त नहीं होता और राजनीति में कोई पूर्ण विराम नहीं होता। खरगे ने भी अपने भाषण में कहा कि जो लोग सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हैं, वे देश सेवा के जज्बे के कारण न थकते हैं और न ही वास्तव में रिटायर होते हैं। विदाई समारोह के इस अवसर पर जहां एक ओर अनुभवी सांसदों के योगदान को याद किया गया, वहीं दूसरी ओर नेताओं के हल्के–फुल्के अंदाज ने माहौल को यादगार बना दिया।

कमर्शियल गैस सिलेंडर को लेकर सरकार का बड़ा फैसला, अब कारोबारियों की होगी चांदी

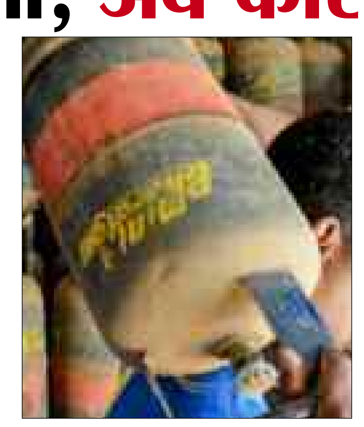

नई दिल्ली ,इंटर–मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग में देश की ऊर्जा आपूर्ति और रसोई गैस (स्क्कत्र) वितरण को लेकर सरकार ने कई अहम और बड़े ऐलान किए हैं। घरेलू एलपीजी और पीएनजी की आपूर्ति बिना किसी कटौती के लगातार जारी रखने का भरोसा दिलाते हुए, सरकार ने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में कमर्शियल गैस सिलेंडर पर अब सभी राज्यों को 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी कोटा देने का फैसला किया गया है। सरकार के इस कदम से छोटे व्यापारियों और रेस्टोरेंट मालिकों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें अक्सर मांग बढ़ने या त्योहारों के सीजन में गैस की किल्लत का सामना करना पड़ता था।

घरेलू गैस उत्पादन में बंपर उछाल

सरकार के लिए एक बड़ी राहत की खबर यह है कि देश के भीतर घरेलू एलपीजी उत्पादन में 40 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि वैश्विक और घरेलू स्तर पर एलपीजी की मौजूदा स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। इसी संकट को देखते हुए सरकार ने आम नागरिकों से एक विशेष और अहम अपील की है। सरकार ने कहा है कि जिन इलाकों में पीएनजी (क्कहत्र) पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है, वहां के लोग एलपीजी सिलेंडर का मोह छोड़कर तुरंत पीएनजी कनेक्शन अपनाएं। इससे गैस वितरण का दबाव काफी हद तक कम होगा और यह गैस सिलेंडर के मुकाबले अधिक सुरक्षित और सुलभ भी है।

कालाबाजारी रोकने के लिए 2300 आउटलेट्स पर छापेमारी

गैस वितरण प्रणाली में पूरी तरह से पारदर्शिता बनाए रखने और कालाबाजारी पर नकेल कसने के लिए सरकार अब सख्त एक्शन मोड में आ गई है। इसी के तहत देशभर के 2300 एलपीजी रिटेल आउटलेट्स पर अचानक सरप्राइज चेकिंग और छापेमारी की गई। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि लोग गैस की कमी को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें। डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देते हुए ब्रीफिंग में बताया गया कि आज कुल एलपीजी बुकिंग का 93 फीसदी हिस्सा ऑनलाइन माध्यम से ही पूरा हुआ है। लोगों से खास अपील की गई है कि वे एलपीजी एजेंसी पर बेवजह भीड़ लगाने के बजाय आधिकारिक पोर्टल या ऐप के जरिए ही अपनी गैस बुक करें।

जहाजों से उतारी जा रही गैस, पीएम मोदी ने की यूएई के राष्ट्रपति से बात

गैस आपूर्ति को लेकर संबंधित मंत्रालय पल–पल की निगरानी कर रहा है और हालात पूरी तरह काबू में हैं। जानकारी दी गई है कि एलपीजी कैरियर जहाज 'नंदादेवी और 'शिवालिक से इस वक्त एलपीजी डिस्चार्ज करने का काम तेजी से चल रहा है ।

छत्तीसगढ़ में रफ्तार का कहर: अलग–अलग सड़क हादसों में स्कूली छात्र समेत 5 की मौत

रायपुर ,छत्तीसगढ़ के कई जिलों में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। इन दर्दनाक हादसों से प्रदेश में शोक का माहौल है। बिलासपुर जिले के रतनपुर थाना क्षेत्र में सुबह करीब 8:30 बजे स्कूल जा रहे 12 वर्षीय छात्र जयवंत पटेल की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह कक्षा 7वीं का छात्र था और साधीपारा का निवासी था। वहीं कोरबा जिले में कोयले से भरी ट्रेलर ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचल दिया। हादसे में बृजपाल सिंह कंवर (23), मंगल सिंह (25) और ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रेलर पलट गया और सड़क पर कोयला बिखर गया। हाइड्रा मशीन की मदद से शवों को बाहर निकाला गया। लोरमी में भी तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी,

चीन–पाक नौसैनिक गठजोड़ पर संसद समिति की चेतावनी

नई दिल्ली ,संसद की विदेश मामलों की समिति ने चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ते नौसैनिक सहयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। समिति ने सरकार को सुझाव दिया है कि भारत को इस उभरते खतरे से निपटने के लिए पहले से ज्यादा सक्रिय रणनीति अपनानी चाहिए। समिति, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस सांसद शशि थरूर कर रहे हैं, ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन–पाकिस्तान का बढ़ता नौसैनिक गठजोड़ भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, हिंद महासागर क्षेत्र भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत की 7500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और विशाल विशेष आर्थिक क्षेत्र इसे वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र बनाते हैं। करीब 90 प्रतिशत भारतीय व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है, जिसमें तेल आयात भी शामिल है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक है। समिति ने कहा कि चीन तेजी से अपनी नौसैनिक ताकत बढ़ा रहा है। हर साल बड़ी संख्या में नए युद्धपोत शामिल किए जा रहे हैं, जिससे वह दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना बन चुका है। इसके साथ ही, चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत समुद्री ठिकानों का विस्तार क्षेत्रीय संतुलन को बदल रहा है।

भारतीय रेल ने उत्तराखंड में वर्ष 2023-24 से 2025-26 (फरवरी 2026 तक) 18 नई रेल सेवाएं शुरू की

– रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद अजय भट्ट के सवाल उत्तराखंड के लिए रेल परियोजनाएं तत्संबंधी ब्यौरे पर दिया जवाब

देहरादून। बुधवार को लोकसभा में रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत और सांसद अजय भट्ट के सवाल उत्तराखंड के लिए रेल परियोजनाएं तत्संबंधी ब्यौरे पर जवाब दिया। रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जवाब दिया कि उत्तराखंड में अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां 2009–14 के दौरान औसतन 187 करोड़ रुपये प्रति वर्ष खर्च किए जाते थे, वहीं वर्ष 2025–26 में यह बढ़कर लगभग 4,641 करोड़ रुपये हो गया है, जो लगभग 25 गुना वृद्धि को दर्शाता है। 01 अप्रैल 2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तराखंड में पूर्णतः या आंशिक रूप से पड़ने वाली 40,384 करोड़ रुपये की लागत की कुल 216 किलोमीटर लंबाई की 3 नई रेल लाइनों को स्वीकृति दी गई है। इनमें से 16 किलोमीटर रेल लाइन चालू की जा चुकी है और मार्च 2025 तक 19,898 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। देवबंद–रुड़की नई रेल लाइन (27 किमी) का कार्य पूरा हो चुका है, जिससे दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी लगभग 40 किलोमीटर कम हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, ऋषिकेश–कर्णप्रयाग नई रेल लाइन (125 किमी) एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जो देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों से होकर गुजरती है और देवप्रयाग तथा कर्णप्रयाग जैसे धार्मिक स्थलों को ऋषिकेश और राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ेगी। इस परियोजना में मुख्य रूप से सुरंगों का निर्माण शामिल है, जिनमें 104 किलोमीटर लंबी 16 मुख्य सुरंगें और लगभग 98 किलोमीटर लंबी 12 बचाव सुरंगें प्रस्तावित हैं। अब तक 99 किलोमीटर मुख्य सुरंगों और 94 किलोमीटर बचाव सुरंगों का निर्माण पूरा हो चुका है। परियोजना को गति देने के लिए 8 प्रवेश मार्ग (कुल 5 किमी) बनाए गए हैं, जो पूरे हो चुके हैं। इसके अलावा 19 बड़े पुलों में से 8 का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शेष पर कार्य प्रगति पर है। विभिन्न खंडों में सुरंग खुदाई और लाइनिंग का कार्य अधिकांशतः पूर्ण या अंतिम चरण में है। पिछले तीन वर्षों, अर्थात 2022–23 से 2025–26 तक, उत्तराखंड में कुल 441 किलोमीटर लंबाई के 7 सर्वेक्षण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 3 नई लाइनें और 4 दोहरीकरण परियोजनाएं शामिल हैं। रेल मंत्रालय ने यह भी बताया कि समपारों के स्थान पर ऊपरी और निचले सड़क पुलों का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है, जिसे सुरक्षा, यातायात और व्यवहार्यता के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है। वर्ष 2004–14 के दौरान 4,148 पुलों का निर्माण किया गया था, जबकि 2014–26 (जनवरी 2026 तक) के दौरान यह संख्या बढ़कर 14,024 हो गई है, जिनमें उत्तराखंड के 106 पुल भी शामिल हैं। 01 फरवरी 2026 तक भारतीय रेल में कुल 4,802 ऐसे पुल 1,14,196 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें उत्तराखंड में 158 करोड़ रुपये की लागत से 9 पुल शामिल हैं, जो विभिन्न चरणों में हैं। रेल मंत्रालय द्वारा "अमृत भारत स्टेशन योजना" के अंतर्गत देशभर में 1,338 स्टेशनों के विकास की योजना बनाई गई है, जिनमें उत्तराखंड के 11 स्टेशन शामिल हैं, जैसे देहरादून, हरिद्वार, हर्रावाला, काशीपुर, काठगोदाम, किच्छा, कोटद्वार, लालकुआं, रामनगर, रुड़की और टनकपुर। इस योजना के तहत स्टेशनों के बुनियादी ढांचे में सुधार, बेहतर प्रतीक्षालय, शौचालय, लिफ्ट–एस्केलेटर, पार्किंग, दिव्यांगजन सुविधाएं, यात्री सूचना प्रणाली और 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी पहलें शामिल हैं। कई स्टेशनों पर कार्य तेजी से चल रहा है और कुछ स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्य पूरे भी हो चुके हैं। स्टेशन विकास के लिए उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष में कुल 6,895 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 6,172 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड के यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल ने वर्ष 2023–24 से 2025–26 (फरवरी 2026 तक) के बीच 18 नई रेल सेवाएं शुरू की हैं। इनमें लखनऊ–देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस, दौराई–टनकपुर एक्सप्रेस और हरिद्वार–फिरोजपुर कैंट एक्सप्रेस जैसी प्रमुख गाड़ियां शामिल हैं।

सम्पादकीय

नागरिकों की जिम्मेदारियां अहम

घरेलू सिलेंडरों को लेकर आपाधापी का माहौल अभी काम होता नजर नहीं आ रहा है। हालांकि गैस एजेंसी और गोदाम से भीड़ गायब हो चुकी है और प्रशासन की सख्ती का असर भी नजर आने लगा है। गैस एजेंसी संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे बुकिंग के आधार पर उपभोक्ताओं को घरों में ही सिलेंडर उपलब्ध कराएं। हालांकि एक दूसरा पक्ष ऐसे लोगों का भी है जिन्होंने भारी मात्रा में सिलेंडर स्टॉक कर रखे हैं जिनके ना तो कनेक्शन है और ना ही कोई दूसरे वैध दस्तावेज। ऐसे जमाखोरों के खिलाफ लगातार प्रशासन की क्यूआरटी टीम छापेमारी कर रही है और भारी मात्रा में सिलेंडर पकड़े भी गए हैं। सवालिया उठना है कि आखिर इतनी अधिक मात्रा में सिलेंडर कैसे आवंटित हो गए जबकि अधिकांश के पास कनेक्शन भी उपलब्ध नहीं है? निश्चित तौर पर गैस संचालकों की मिली भगत के बिना दस्तावेज ना होते हुए भी सिलेंडर देना संभव नहीं है। प्रशासन ने सही समय पर जमाखोरों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की है जिसका असर नजर आने लगा है और सिलेंडर को लेकर जो आपाधापी शुरुआती दिनों में देखने को मिली थी उस पर अब थोड़ा नियंत्रण नजर आने लगा है। दून में छापामारी के दौरान तहसील सदर क्षेत्र से 22 तथा विकासनगर क्षेत्र में होटल, ढाबों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अवैध रूप से उपयोग किए जा रहे 10 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। जांच के दौरान व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था, संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। जिला प्रशासन की टीम द्वारा आज जनपद की 16 गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया गया। इस सबके बावजूद भी अभी ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है जो सिलेंडर लेने के लिए इधर–उधर मारे फिर रहे हैं लेकिन नए नियम लागू होने के कारण भी ऐसे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था का बिगड़ना निश्चित तौर पर एक प्रशासनिक कमी कही जा सकती है लेकिन इसके पीछे जमाखोरों को ही सबसे अधिक फायदा होता है। एलपीजी गैस की कालाबाजारी एवं दुरुपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं होनी चाहिए। ऐसे मामलों में कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जानी चाहिए। आम जनता की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वह यदि अपने आसपास कहीं घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध उपयोग अथवा कालाबाजारी पाता हो, तो तत्काल प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। इस आपात स्थिति में जिला प्रशासन तो अपना कार्य करता ही है लेकिन आम नागरिकों को भी अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियां का बोध होना चाहिए। सिर्फ व्यवस्थाओं को कोसना ही समस्या का समाधान नहीं है बल्कि उन व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए प्रशासन की दिशा निर्देशों में सहयोग करने के साथ–साथ जमाखोरों को भी बेनकाब करना चाहिए।

बिहार के बाद अब पश्चिम बंगाल की बारी

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार का किला फतह कर लिया है। अब पश्चिम बंगाल की बारी है। ध्यान रहे उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत के सिर्फ तीन बड़े राज्य ऐसे थे, जहां भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया था। 2024 में उनमें से एक राज्य ओडिशा में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की और उसका मुख्यमंत्री बना। भाजपा ने 25 साल का नवीन पटनायक का राज खत्म किया। उसके बाद अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है। इतिहास में भी दिल्ली और देश पर उसी का राज मजबूत हुआ, जिसका बंगाल पर कब्जा था। दक्कन यानी दक्षिण भारत की लड़ाई उसके बाद लड़ी जाती है।

एस. सुनील

अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है।भारतीय जनता पार्टी ने बिहार का किला फतह कर लिया है। अब पश्चिम बंगाल की बारी है। ध्यान रहे उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत के सिर्फ तीन बड़े राज्य ऐसे थे, जहां भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया था। 2024 में उनमें से एक राज्य ओडिशा में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की और उसका मुख्यमंत्री बना। भाजपा ने 25 साल का नवीन पटनायक का राज खत्म किया। उसके बाद अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है। इतिहास में भी दिल्ली और देश पर उसी का राज मजबूत हुआ, जिसका बंगाल पर कब्जा था। दक्कन यानी दक्षिण भारत की लड़ाई उसके बाद लड़ी जाती है। हालांकि भाजपा एक साथ दक्षिण भारत की लड़ाई भी लड़ रही है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल की चुनावी लड़ाई आर–पार की सिर्फ इसलिए नहीं है कि वहां भाजपा को अपनी सरकार बनानी है या अपना मुख्यमंत्री बनाना है। यह कई दूसरे कारणों से आर–पार की लड़ाई है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा चुनाव है। ध्यान रहे हर चुनाव के साथ सुरक्षा की चिंता गहराती जाती है। पांच साल पहले जो चुनाव हुआ वह भी राष्ट्रीय सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा था। तभी भाजपा के पक्ष में व्यापक हिंदू ध्रुवीकरण हुआ था। भाजपा को 40 फीसदी से कुछ कम वोट मिले थे। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद जो हुआ उसने चिंता को कई गुना बढ़ा दिया। दो मई 2021 को आए नतीजों के बाद राज्य के कई हिस्सों में बड़ी हिंसा हुई। भाजपा का समर्थन करने वाले हिंदुओं की पहचान पहले से की गई थी। नतीजों के बाद उनके घरों पर हमले हुए। उनको मारा गया। सैकड़ों हत्याएं हुईं, जिसे नस्ली सफाए की कोशिश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

इस बार के चुनाव पर उस डर का साया साफ दिख रहा है। बंगाल के लोगों को इस डर से बाहर निकलना होगा। भारतीय जनता पार्टी को यह भरोसा दिलाना होगा कि वह आम लोगों के साथ खड़ी है। सुरक्षा बलों की तैनाती अपनी जगह है। लेकिन वह स्थायी समाधान नहीं है क्योंकि केंद्रीय बलों की तैनाती अनंतकाल तक नहीं हो सकती है। तृणमूल कांग्रेस के राज और उसमें एक समुदाय की ओर से होने वाले अत्याचार से त्रस्त लोगों को अगर यह भरोसा नहीं हुआ कि भाजपा जीतेगी और उसके बाद जमीनी हालात बदलेंगे, तब तक वह हिम्मत के साथ मतदान के लिए नहीं निकलेगा। उसके मनोविज्ञान में पिछली बार के चुनाव के बाद हुई हिंसा की तस्वीरें बैठी हुई हैं।

इसलिए वह डरा हुआ है लेकिन यह भी चाहता है कि किसी तरह के बदलाव हो। यह पहला मौका है, जब बांग्लाभाषी हिंदू वास्तव में इस बात की चिंता कर रहा है कि अगर तृणमूल कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई तो उसका क्या होगा! इसलिए वे सत्ता परिवर्तन चाहते हैं लेकिन उससे पहले उनको हौसला और संबल चाहिए।इस बार का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए अपने साथ साथ परिवार और पार्टी का अस्तित्व बचाने वाला चुनाव बन गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पता है कि अगर उनकी पार्टी चुनाव हारी तो उसका हस्र भी वैसा ही होगा, जैसा वामपंथी मोर्चे की जीत के बाद कांग्रेस का हुआ था और तृणमूल की जीत के बाद वाम मोर्चे की पार्टियों का हुआ था। एक बार चुनाव हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद कोई साथ नहीं देगा। तभी वे भी आर–पार की लड़ाई की तैयारी में हैं। उनकी तैयारी में एक बड़ी बाधा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से पैदा हो रही है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के सारे दांव फेल कर दिए हैं। गौरतलब है कि बिहार में एसआईआर शुरू होने के बाद पश्चिम बंगाल की सरकार ने बड़े पैमाने पर लोगों को ऐसे प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए, जो एसआईआऱ की प्रक्रिया में मददगार बने। तभी एसआईआऱ के पहले चरण के बाद बंगाल में 58 लाख ही नाम कटे, जबकि बिहार में 69 लाख नाम कटे थे।एसआईआऱ के दूसरे चरण के बाद यानी तमाम अदालती हस्तक्षेप के बाद जो अंतिम मतदाता सूची सामने आई उसमें भी 60 लाख नाम विचाराधीन कर दिए गए। इन मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच का जिम्मा अब न्यायिक अधिकारियों के हाथ में है। पिछले एक हफ्ते में इन 60 लाख मतदाताओं में से सिर्फ 10 फीसदी यानी छह लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच हो पाई है। ध्यान रहे अगले एक हफ्ते में पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है।

सोमवार और मंगलवार को चुनाव आयोग की टीम बंगाल में रहेगी और लौटने के बाद अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देकर चुनाव की घोषणा कर दी जाएगी। जाहिर है इतने कम समय में सभी 60 लाख नामों की जांच नहीं हो पाएगी। इस बीच राज्य की विपक्षी पार्टियों, जिसमें वाममोर्चा और कांग्रेस मुख्य हैं, ने यह मांग शुरू कर दी है कि जब तक सारे नामों की जांच नहीं हो जाती है तब तक चुनाव की घोषणा नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा होता है तो यह ममता बनर्जी के लिए ज्यादा चिंता की बात होगी क्योंकि 60 लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच के लिए चुनाव टालना पड़ेगा और अगर चुनाव टला तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लग जाएगा। ध्यान रहे पूर्व आईपीएस अधिकारी और तमिलनाडु में तीन साल से ज्यादा समय तक राज्यपाल रहे रविंद्र नारायण रवि को बंगाल का राज्यपाल बनाया गया है। वे बिहार के रहने वाले हैं। राष्ट्रपति शासन लगते ही सरकार की कमान उनके हाथ में चली जाएगी।शासन और नौकरशाही की कमान हाथ से निकलने के बाद ममता बनर्जी की पार्टी और उनके कैडर में घबराहट बढ़ेगी, जिसका बहुत बड़ा चुनावी नुकसान उनको हो सकता है। पिछले दिनों ममता बनर्जी ने कहा कि उनके चुनाव क्षेत्र भबानीपुर में 44 हजार नाम काटे गए हैं और कई हजार नाम विचाराधीन रखे गए हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि अगर एक भी मतदाता बचेगा तो वे ही चुनाव जीतेंगे। इससे ऐसा लग रहा है कि वे नहीं चाहती हैं कि चुनाव टले और राष्ट्रपति शासन में चुनाव हो। वे चाहेंगी कि भले 40 या 50 लाख नाम और कट जाएं, लेकिन चुनाव समय पर हो जाए। ऐसा होता है तो यह अभूतपूर्व बात होगी। ध्यान रहे बंगाल में अंतिम मतदाता सूची में 63 लाख से ज्यादा नाम कटे हैं और 60 लाख नाम विचाराधीन हैं। अगर समय पर चुनाव होता है तो संभव है कि बंगाल में एक करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के बगैर चुनाव हो।

बहरहाल, एक तरफ भाजपा की आखिरी किला फतह करने की तैयारी है तो दूसरी ओर बांग्ला भाषी हिंदुओं की सुरक्षा का मामला है और तीसरी ओर ममता बनर्जी की अपनी चिंताएं हैं। लेकिन इन तीनों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा भी जुड़ा हुआ है। पश्चिम बंगाल की सीमा बांग्लादेश से लगती है और राज्य सरकार की ओर से जमीन नहीं दिए जाने की वजह से बड़े इलाको में बाड़ लगाने का काम नहीं हो पाया है। इसकी वजह से घुसपैठ और तस्करी बहुत आम है। पश्चिम बंगाल और बिहार के कई सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम आबादी इतनी बढ़ी है कि जनसंख्या संरचना बदल गई है। घुसपैठ को रोकना देश की सुरक्षा और जनसांख्यिकी दोनों के लिए बहुत अहम है।संभवतः इसलिए पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के सीमांचल में तीन दिन का प्रवास किया। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया। उसके बाद ही खबर आई कि बिहार के किशनगंज, पूर्णिया, अररिया और कटिहार के साथ पश्चिम बंगाल के माल्दा और उत्तरी दिनाजपुर को मिला कर एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया जा सकता है। ध्यान रहे जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद वहां सुरक्षा हालात में व्यापक सुधार हुआ है। उस मॉडल पर कुछ करने की तैयारी हो सकती है। संभव है कि सेना की पृष्ठभूमि वाले अता हुसैन को बिहार का राज्यपाल बनाना ऐसी ही किसी रणनीति का हिस्सा हो। इस नजरिए से भी पश्चिम बंगाल का चुनाव नतीजे बहुत अहम होगा। बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बन रहा है और असम में कम से कम अभी कोई ऐसी संभावना नहीं दिख रही है कि भाजपा वापस न हो। ऐसे में अगर पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की सरकार बनती है तो इस पूरे इलाके में यानी समूचे पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में सुरक्षा का परिदृश्य बेहतर होगा।

अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल

अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम– मिलन– में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था।

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका–इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम– मिलन– में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था।ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अतः उसकी हथियार प्रणालियों को "सुरक्षित एवं निष्क्रिय" मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है– 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अतः जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।इ डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंका दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम–से–कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।००

केंद्र का दिशा–निर्देश

इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। पूरे भारत को अपनी विचारधारा के रंग में ढालने की मुहिम में जुटी नरेंद्र मोदी सरकार को ऐसे कदमों पर हो रही प्रतिक्रियाओं को लेकर अवश्य सचेत रहना चाहिए। इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि सरकार असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। इस हफ्ते ऐसी दो घटनाएं हुईं, जिन्हें केंद्र के अति–उत्साह की प्रतिक्रिया समझा जाएगा। बीते 28 जनवरी को केंद्र ने दिशा–निर्देश जारी कर राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाना और वंदे मातरम के सभी छह स्तोत्र गाना अनिवार्य कर दिया था। गुजरे मंगलवार को नगालैंड विधानसभा ने इस मुद्दे को प्रवर समिति को भेजने का फैसला किया कि क्या ये दिशा–निर्देश उस राज्य पर भी लागू होता है। इसके पहले बजट सत्र की शुरुआत पर पहली बार गन–गण–मन से पहले सदन में वंदे मातरम गाया गया। उस पर भाजपा को छोड़ सभी दलों के सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनमें सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दल भी हैं, हालांकि ये गठबंधन केंद्र में सत्ताधारी एनडीए का हिस्सा है। कई सदस्यों ने कहा कि इस मामले से "संवैधानिक एवं अंतरात्मा से संबंधित" सवाल खड़े हुए हैं। यह भी कहा गया कि केंद्र का दिशा–निर्देश देशभक्ति और एकरूपता का घालमेल करता मालूम पड़ा है। इस बीच रेलवे स्टेशनों पर अन्य लिपियों में हिंदी शब्द लिखने को लेकर तमिलनाडु में विवाद गरमा गया है। बुधवार को तिरुचि स्टेशन पर अधिकारियों ने हिंदी, अंग्रेजी, और तमिल में लिखे कर्त्तव्य–द्वार शब्द को हटा दिया।

धुरंधर 2 की आंधी में उड़ी शाहरुख खान की जवान, एडवांस बुकिंग में आया तूफान

रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म धुरंधर 2: द रिवेंज का इंतजार अब खत्म होने वाला है। फिल्म की रिलीज में सिर्फ 3 दिन बाकी रह गए हैं और उसके बाद बॉक्स ऑफिस पर नया धमाका देखने को मिलेगा। ऐसा अनुमान इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने अपने एडवांस बुकिंग में ही काफी कोहराम मचाकर रखा है। इसने रिलीज से पहले ही शाहरुख खान की फिल्म जवान को पटखनी दे दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, व्यापार आंकड़ों से पता चलता है कि धुरंधर 2 ने अपनी एडवांस बुकिंग में लगभग 32 करोड़ का कारोबार कर लिया है। वहीं, शाहरुख और एटली की फिल्म जवान ने रिलीज से पहले लगभग 28.75 करोड़ रुपये की एडवांस बिक्री की थी। इस तरह धुरंधर 2 ने रिलीज से पहले ही शानदार कलेक्शन करते हुए फैंस और व्यापार विशेषज्ञों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। ओपनिंग डे पर जबरदस्त धमाल मचने की पूरी उम्मीद है।

धुरंधर पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब इसका सीक्वल धुरंधर 2 आ रहा है जिसे लेकर लोगों में उत्साह दोगुना देखा जा रहा है। उम्मीद है कि यह फिल्म बॉलीवुड के सभी ओपनिंग डे और वीकेंड के रिकॉर्ड को तोड़ सकती है। फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

फिल्म दालिंब से जारी हुई जितेंद्र कुमार की पहली झलक, पहचानना हुआ मुश्किल

पंचायत सीरीज से लोगों का दिल जीतने वाले जितेंद्र कुमार एक नए अवतार को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उनका यह अवतार फिल्म दालिंब से सामने आया है जिसे जी5 हिंदी ने आधिकारिक तौर पर जारी किया है। यह एक थ्रिलर–ड्रामा फिल्म है जो जी5 और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के पहले सहयोग के तौर पर बनाई गई है। फिल्म की कहानी और निर्देशन की जिम्मेदारी प्रिया एवेन ने उठाई है, जबकि संवाद वरद भटनागर ने लिखे हैं। फिल्म दालिंब का ऐलान जितेंद्र के पोस्टर रिलीज के साथ किया गया है। अभिनेता के लुक की बात करें तो उनके चेहरे को मेकअप से ढ़का गया है। यह तस्वीर किसी कथकली नर्तक जैसी प्रतीत होती है। इसे देखकर ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा के कुछ दृश्य याद आ जाएंगे। पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन दिया, रंगों के बीच एक ऐसा रहस्य...जो कभी दिखता नहीं। यह होली, यह रंग उत्सव का प्रतीक नहीं है... यह एक चेतावनी है। दालिंब मुंबई के उपनगरीय मध्यमवर्गीय परिवेश की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म होगी, जो दर्शकों को गहन और विचलित करने वाले सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है।

आईपीएल 2026: शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे जोश हेजलवुड और पैट कमिंस

नईदिल्ली,इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होनी है, जिसके लिए सभी टीमें अपनी–अपनी तैयारियों में जुटी हुई हैं। इस बीच खबर है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के जोश हेजलवुड और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के पैट कमिंस आगामी सीजन के शुरुआती कुछ मैचों से बाहर रहने वाले हैं। दरअसल, ये दोनों ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज फिलहाल फिटनेस हासिल करने में क्रम में रिहैब कर रहे हैं। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं। हेजलवुड हैमस्ट्रिंग और अकिलीज टेंडन की चोट के बाद रिकवरी कर रहे हैं, जबकि कमिंस लोअर बैक की चोट से वापसी करने के लिए प्रयासरत हैं। ये दोनों खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैब कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन गेंदबाजों का शुरुआती कुछ मैचों से बाहर होना तय है और बाद में उनकी उपलब्धता मेडिकल क्लीयरेंस (चिकित्सकीय मंजूरी) पर निर्भर करेगी। आईपीएल 2025 का खिताब आरसीबी ने जीता था और हेजलवुड इस विजेता टीम के सदस्य थे। पिछले सीजन में हेजलवुड ने आरसीबी के लिए 12 मैच खेले, जिसमें 17.54 की उम्दा औसत और 8.77 की इकॉनमी रेट के साथ 22 विकेट लिए थे। हेजलवुड आईपीएल 2025 की समाप्ति के बाद संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। उस संस्करण में हेजलवुड से ज्यादा विकेट सिर्फ प्रसिद्ध कृष्णा (25) और नूर अहमद (24) ने लिए थे। रिपोर्ट के अनुसार, कमिंस की गैरमौजूदगी में शुरुआती कुछ मैचों में एसआरएच की कप्तानी ईशान किशन करते हुए नजर आ सकते हैं। किशन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में झारखंड की कप्तानी कर चुके हैं और इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने टी–20 विश्व कप 2026 में 9 पारियों में 35.22 की औसत और 193.29 की स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे।

हर्षित रेड्डी की फिल्म दीवाना का टीज़र रिलीज़

हर्षित रेड्डी की फिल्म दीवाना का टीज़र अब रिलीज़ हो चुका है; गीता फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स इस फिल्म को इस गर्मी में रिलीज़ कर रहे हैं। दीवाना में हर्षित रेड्डी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि स्नेहा मणिमेगलाई तेलुगु दर्शकों के सामने नायिका के रूप में नज़र आ रही हैं। फिल्म का निर्माण वासुदेव कोप्पिनेनी और श्रीदेवी कार्यमपुडी अरहा मीडिया और वी स्टूडियोज के बैनर तले कर रहे हैं। निर्देशक श्रीकांत संगीशेट्टी फिल्म को एक खूबसूरत प्रेम कहानी के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। दीवाना इस गर्मी में भव्य सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।दीवाना का टीज़र आज रिलीज़ हुआ। टीज़र देखकर मणिरत्नम शैली की रोमांटिक फ़िल्म का एहसास होता है। टीज़र से पता चलता है कि हीरो एक शादी समारोह में नायिका को देखते ही पहली नज़र में उससे प्यार कर बैठता है। उस पल से, वह उसकी पूरी दुनिया बन जाती है। हालाँकि उसके दोस्त उसे चेतावनी देते हैं कि उसके परिवार के साथ जुड़ना खतरनाक हो सकता है, लेकिन वह उनकी बात सुनने से इनकार कर देता है। क्या लड़की उसके गहरे प्यार का जवाब देती है या नहीं, यह दर्शकों को सिनेमाघरों में ही पता चलेगा टीज़र में प्रेमा इदि प्रेमा गुंडेलोना सादिरेपेडे प्रेमा... गाने का बैकग्राउंड म्यूज़िक दिल को छू लेने वाला है। टीज़र के अंत में, ये लड़कियाँ जितनी खूबसूरत होती हैं, उतना ही ज़्यादा तुम्हें तकलीफ देती हैं वाला संवाद उत्सुकता जगाता है। कुल मिलाकर, टीज़र से संकेत मिलता है कि दीवाना एक गहन और खूबसूरत संगीतमय प्रेम कहानी प्रस्तुत करेगा।

आईपीएल में पहली बार खेलने के लिए तैयार हैं फिन एलन

नईदिल्ली,न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज फिन एलन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में खेलने के लिए तैयार हैं। वह पहली बार इस प्रतिष्ठित लीग में हिस्सा लेंगे। उन्हें नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा था। एलन ने टी–20 विश्व कप 2026 में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और वह आगामी आईपीएल सीजन में भी लय बरकरार रखना चाहेंगे। उनके टी–20 क्रिकेट के आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। टी–20 विश्व कप 2026 में न्यूजीलैंड की टीम उपविजेता रही थी और इस अभियान में एलन की अहम भूमिका रही थी। उन्होंने कई अहम मुकाबलों में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। उन्होंने 8 पारियों में 49.66 की औसत और 200.00 की स्ट्राइक रेट के साथ 298 रन बनाए थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए सेमीफाइनल मैच में सिर्फ 33 गेंदों में शतक पूरा किया था। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बने थे।

फीफा विश्व कप 2026: ईरान का अमेरिका में खेलने से इन्कार

नईदिल्ली, ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध से फुटबॉल जगत भी अछूता नहीं रहा है। इस साल अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में फीफा विश्व कप खेला जाना है, जिससे ईरान पीछे हटने की बात कह चुका है। अब खबर है कि ईरान विश्व कप में सशर्त खेलने के लिए तैयार हुआ है। ईरान की मांग है कि उनकी टीम इस वैश्विक संस्करण में तब ही हिस्सा लेगी, जब उनके मैच अमेरिका की जगह मैक्सिको में खेले जाएंगे। ईरानी फुटबॉल प्रमुख मेहदी ताज ने देश के मैक्सिकन दूतावास के एक्स अकाउंट के जरिए कहा, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ तौर पर कह दिया है कि वे ईरानी राष्ट्रीय टीम की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो हम निश्चित रूप से अमेरिका नहीं जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, हम अभी फीफा के साथ बातचीत कर रहे हैं कि विश्व कप में ईरान के मैच मैक्सिको में करवाए जाएं। पिछले हफ्ते ईरान के खेल मंत्री अहमद दोन्यामाली ने टूर्नामेंट से हटने का ऐलान किया था। उन्होंने सरकारी टेलीविजन पर कहा था, "यह देखते हुए कि इस भ्रष्ट सरकार (अमेरिका की) ने हमारे नेता की हत्या कर दी है, हम किसी भी हालत में फुटबॉल के विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकते।" बता दें कि इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमला करने के कारण 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ्ते ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का अमेरिका में होने वाले विश्व कप में हिस्सा नहीं लेने की सलाह दी थी। ट्रंप ने सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर लिखा था, ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का विश्व कप में स्वागत है, लेकिन मुझे सच में नहीं लगता कि उनके लिए वहां होना उचित है।

एक नजर

एसोसिएशन का स्थापना दिवस 24 को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : असम राइफल्स पूर्व सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन का स्थापना दिवस 24 व 25 मार्च को मनाया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों व वीर नारियों को सम्मानित किया जाएगा। संगठन के अध्यक्ष एमएस बिष्ट ने बताया कि कार्यक्रम पदमपुर स्थित कार्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। 25 मार्च को संगठन की तिमाही बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें पूर्व सैनिकों की समस्याओं को सुना जाएगा। उन्होंने संगठन के सभी पूर्व सैनिकों से कार्यक्रम को सफल बनाए जाने का आग्रह किया।

उक्रांद ने लगाया गैस वितरण में भेदभाव का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल ने गैस बुक कराए जाने के नाम पर दोहरे मानक बनाए जाने पर आक्रोश जताया। कहा कि नगर निगम बन जाने के बाद शहर को शहर व ग्रामीण क्षेत्र में बांट दिया गया है, जो कि उपभोक्ताओं के साथ धोखा है।दल के केंद्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी की ओर से उपजिलधिकारी संदीप सिंह के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा गया। कहा गया कि खाड़ी देशों में युद्ध के चलते घरेलू गैस की किल्लत हो गई है। शहर में गैस की कालाबाजारी की खबरें भी आ रही हैं, ऐसे में गैस एजेंसियों ने नगर निगम को शहर व ग्रामीण दो भागों में बांट दिया है। शहरी क्षेत्र में गैस बुकिंग के लिए 25 व ग्रामीण क्षेत्र के लिए 45 दिनों की अवधि निर्धारित कर दी है, जबकि यह संपूर्ण क्षेत्र नगर निगम का हिस्सा है। कहा कि एक शहर में दो मानकों का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने समस्त गैस एजेंसियों को शहरी क्षेत्र में सम्मिलित कर 25 दिनों में सभी उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध करवाने की मांग की है।

पदोन्नति में आरक्षण बहाल करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि ।

कोटद्वार : शैलशिल्पी विकास संगठन ने उत्तराखंड में पदोन्नति में आरक्षण बहाल करने की मांग की है। वहीं, संगठन ने उपनल के माध्यम से बैकडोर को भी असंवैधानिक बताया। संगठन के अध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि उत्तराखंड एससी, एसटी एम्पलाइज फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं वर्तमान संरक्षक वरिष्ठ कर्मचारी नेता मदन शिल्पकार द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति आयोग से मुलाकात कर उक्त विषयो को मजबूती के साथ रखा गया। आर्य ने कहा कि अब समय आ गया है कि प्रदेश के आरक्षित वर्गों के कार्मिकों एवं सामाजिक संगठनों को प्रदेश में पदोन्नति में आरक्षण बहाल कराए जाने के लिए निर्णायक संघर्ष का रास्ता चुनना चाहिए। साथ ही उपनल के माध्यम से हो रही नियुक्तियों में भी आरक्षण लागू किये जाने के लिए संघर्ष करना चाहिए। उत्तराखंड एससी एसटी एम्पलाइज फेडरेशन की तरफ से एक मांग पत्र जिसमें पदोन्नति में आरक्षण और उपनल बैकडोर एंट्री को लेकर एक ज्ञापन मान्य अध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार नई दिल्ली को दिया गया है। ज्ञापन देने वालों में महासचिव सुनीत सिंह, उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

सिलेंडर वितरण में भेदभाव का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एक ओर जहां रसोई गैस की किल्लत चल रही है। वहीं अब नगर निगम में शामिल नए वार्ड के वाशिंदो ने गैस वितरण में भेदभाव करने का आरोप लगाया है। कहा कि पूर्व के 11 वार्डों में 25 दिन में सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। जबकि, निगम में शामिल नए वार्डों में 45 दिन का समय दिया गया है। लोगों ने इस संबंध में नगर आयुक्त पीएल शाह को ज्ञापन दिया। कहा कि नगर निगम में भाबर के साथ ही कई नए वार्ड जोड़े गए थे। सरकार ने समस्त नगर निगम को एक समान विकास का भी वादा किया था। लेकिन, आज गैस सिलेंडर किल्लत के दौरान वार्डों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। पुराने वार्डों को 25 दिन में गैस मिल रही है। जबकि, कोटद्वार की सर्वाधिक जनसंख्या को 45 दिन का समय दिया गया है। कहा कि कुछ समय पर घरों में शादी का भी सीजन शुरु होने वाला है। ऐसे में वार्डों के साथ भेदभाव करना ठीक नहीं है। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य आलोक रावत, उम्मेद सिंह रावत, मुजीब नैथानी, हरीश नेगी, सूरज प्रसाद कांति, श्रीधर प्रसाद बेदवाल आदि मौजूद रहे।

जंगलों में चल रही पार्टी, गर्मी में आग का खतरा

कोटद्वार के आसपास जंगलों में पड़ी शराब की खाली बोतलें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वनों को आग से बचाने के लिए सरकारी तंत्र तैयारियों में जुट गया है। लेकिन, जंगलों के किनारे चल रही शराब की पार्टी तंत्र की इस चुनौती को बढ़ा सकते हैं। दरअसल, शाम ढलते ही लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र के जंगलों से लगी सड़कें बार में तब्दील हो जाती हैं। खुले आम शराब के जाम टकराते हुए सिगरेट के धुएं के छल्ले उड़ाए जाते हैं। ऐसे में शुष्क वातावरण में छोटी सी चिंगारी रौद्र रूप धारण कर सकती है।

शहर से सटे लैंसडौन वन प्रभाग के जंगल शाम ढ़लते ही शराबियों का अड्डा बन जाते हैं। सबसे बुरी स्थित कोटद्वार-पुलिंडा मोटर मार्ग की होती है, जहां शाम ढलते ही महफिलें सजने लगती हैं। इतना ही नहीं, डिग्री कालेज-मवाकोट रोड, सिद्धबली मंदिर-सनेह रोड, कोटद्वार-दुगड्डा रोड पर भी युवाओं की महफिलें नजर आए जाएंगी। पियक्कड़ जहां जंगलों में प्लास्टिक के गिलास, प्लेट, कांच की बोतलें फेंक जंगल की सुंदरता पर बदनुमा दाग लगाते हैं, वहीं वनों के लिए खतरा भी बने हुए हैं। कई बार यह पियक्कड़ असामाजिक तत्व जलती हुई सिगरेट व बीड़ी को भी जंगल में फेंक कर चले जाते हैं, जिससे आग का खतरा अधिक बढ़ जाता है। गर्मी बढ़ने के लिए यह स्थिति और अधिक विकराल रूप ले सकती है।

फूटी बोतलों से जानवरों को खतरा

मार्ग में असामाजिक तत्व शराब पीने के बाद खाली बोतलों को जंगल में तोड़ देते हैं। इससे जंगल में घूमने वाले जानवरों को खतरा बना रहता है। साथ ही गंदगी से भी जंगल बदसूरत होते जा रहे हैं। चौंकाने वाली बात तो यह है कि जंगलों की सुरक्षा का दावा करने वाला वन विभाग भी अपनी जिम्मेदारी को लेकर लापरवाह बना हुआ है। नतीजा, असामाजिक तत्वों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं।

वाद विवाद प्रतियोगिता में देवाशीष ने मारी बाजी

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में जंतु विज्ञान विभाग की ओर से प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान वाद-विवाद प्रतियोगिता में देवाशीष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विभागाध्यक्ष बसंतिका कश्यप, वरिष्ठ प्राध्यापक आदेश कुमार ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अपनी तार्किक क्षमता को विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए। डा. स्मिता तिवारी ने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय कर पूरी मेहनत से उसे पाने में जुट जाना चाहिए। इस दौरान हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में देवाशीष, मनीषा व सायमा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में देवाशीष, सृष्टि भारद्वाज व सुप्रिया क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रही। मॉडल प्रतियोगिता में एंजिला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में आदेश कुमार व डॉ. संजय मदान शामिल रहे।

नव संवत्सर की पूर्व संध्या पर निकली भव्य शोभा यात्रा

कोटद्वार में नव संवत्सर की पूर्व संध्या पर निकाली गई शोभा यात्रा में शामिल लोग

कोटद्वार : नव संवत्सर अभिनंदन समारोह समिति की ओर से नव संवत्सर की पूर्व संध्या पर शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। ढोल-दमाऊ की थाप पर निकली शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

बुधवार को हिंदू पंचायती धर्मशाला से प्रेक्षागृह तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इसके उपरांत प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने युवाओं को अपनी संस्कृति व सभ्यता के प्रति जागरूक किया। कहा कि नव संवत्सर केवल एक नव वर्ष का प्रारंभ नहीं है। बल्कि यह हमारी भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। यह दिन हमें नव ऊर्जा, नई आशा और नए संकल्पों के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कहा कि हमें अपने बच्चों को भी अपने संस्कृति व सभ्यता के प्रति जागरूक करना होगा। मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार के प्राचार्य डीएस नेगी ने कहा कि नव संवत्सर को त्योहार के रूप में मनाने की हमारी यह समृद्ध परंपरा रही है। फूल संक्रांति से ही नव संवत्सर के स्वागत के अनुष्ठान प्रारंभ हो जाते हैं। डा. पदमेश बुड़ाकोटी ने नव संवत्सर के महत्व के बारे में बताया। कहा कि कोटद्वार में नव संवत्सर अभिनंदन समारोह समिति 1998 से लगातार नव संवत्सर मना रही है। हमारा मुख्य उद्देश्य युवाओं को अपनी संस्कृति व सभ्यता के प्रति जागरूक करना है। शोभा यात्रा में स्कूलों के साथ ही कुंभीचौड़, सनेह, लालपानी, शिब्बूनगर, सिताबपुर, काशीरामपुर, लालपुर, पदमपुर व भाबर क्षेत्र की पचास से अधिक कीर्तन मंडलियों ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अण्थ्वाल, ऋषि कंडवाल, चंद्रप्रकाश नैथानी, महानंद ध्यानी, एसपी थपलियाल, राकेश लखेड़ा, योगंबर सिंह रावत, शशिभूषण अमोली, रोशन बलूनी, मीना अग्रवाल, राम प्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन चंद्रप्रकाश नैथानी व शशिभूषण अमोली ने किया।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, पोखड़ा, गढ़वाल

पत्रांक 1432 / रा0वि0अ0-सौर ऊर्जा/2026-27 दिनांक 16.03.2026

विज्ञप्ति

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में विकास खण्ड पोखड़ा के अन्तर्गत विभिन्न स्थानों में सोलर स्थापन्न हेतु 80 किमी0 के अन्तर्गत फर्मों / ठेकेदारों से दिनांक 30.03. 2026 के दोपहर 2 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनांक 30.03.2026 की सायं 3 बजे फर्म ठेकेदारों या उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख खोली जायेंगी। निविदा फार्म के साथ रू0 100.00 का स्टाम्प पेपर, तथा स्वीकृत राशि का 2 प्रतिशत सीडीआर के रूप में जो कि खण्ड विकास अधिकारी, पोखड़ा के नाम बन्धक हो, संलग्न हो। फर्म का विवरण स्पष्ट हो, विवरण स्पष्ट न होने की दशा में निविदा फार्म निरस्त किया जा सकता है। प्रत्येक कार्य के लिए अलग निविदा फार्म स्वीकार किया जायेगा। निविदाओं को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।

क्र0 सं0	विवरण	स्वीकृत राशि	निविदा फार्म का मूल्य
1	2	3	4
1	विकास खण्ड के विभिन्न स्थानों पर सौलर लाईट स्थापन्न	22.40 लाख	2360.00 (जीएसटी सहित)
2	तीन क्षेत्र पंचायत सदस्यों के क्षेत्र में सौलर स्थापन्न	9.00 लाख	1770.00 (जीएसटी सहित)

खण्ड विकास अधिकारी
पोखड़ा, गढ़वाल।
(1582/21)

एलिवेटेड मार्ग निर्माण के लिए धरना जारी, दी चेतावनी

मार्ग निर्माण के लिए धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर लोगों का धरना बुधवार को भी जारी रहा। लोगों ने जल्द धरातल पर मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होने पर आंदोलन को भी तेज करने की बात कही।

लोगों ने चिल्लरखाल वन चौकी के समीप धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि स्थानीय जनता पिछले कई माह से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठा रही है। जनता के आंदोलन के बाद 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी। लेकिन, अब तक मार्ग निर्माण की योजना किस तरह होगी, यह सार्वजनिक नहीं हुआ है। बताया कि स्थानीय जनता मार्ग के हिस्से को एलिवेटेड ही चाहती है, जिससे 12 महीने बिना किसी रूकावट मार्ग पर वाहनों का संचालन होता रहे। कहा कि कोटद्वार व कण्वाश्रम के विकास के लिए भी मार्ग का निर्माण होना अति आवश्यक है। इस मौके पर सतपाल सिंह, मुन्नी देवी, अर्चना देवी, राधिका आदि मौजूद रहे।

एनएसएस के माध्यम से होगा समाज में सकारात्मक बदलाव

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल के राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर बुधवार से प्रारम्भ हो गया है। 24 मार्च तक चलने वाले इस शिविर का आयोजन जीआईसी लैंसडौन, जयहरीखाल में किया जा रहा है। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य जयहरीखाल शशि बिष्ट ने कहा कि युवा ही देश का भविष्य हैं। एनएसएस के माध्यम से छात्र समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य केवल गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक तैयार करता है। शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी, क्षेत्र पंचायत सदस्य जयहरीखाल शशि बिष्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य सकमुंडा मीना रौतेला, ग्राम पंचायत जयहरी की प्रधान प्रगति असवाल, जीआईसी लैंसडौन जयहरीखाल के अध्यापक दिनेश पाठक, अभिनव आवासीय विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य विकास चन्द्र ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। स्वयं सेवियों ने ध्येय गीत 'उठे समाज के लिए उठे उठें, जगें स्वराष्ट्र के लिए जगे जगें' गीत की प्रस्तुति दी। डॉ. कमल कुमार ने एनएसएस शिविर के महत्व को बताते हुए इसे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने छात्रों को समाज सेवा के माध्यम से अपने भीतर नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने को प्रेरित किया। जीआईसी लैंसडौन के शिक्षक दिनेश पाठक ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। हम हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। अभिनव आवासीय विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य विकास चन्द्र ने कहा कि एन.एस.एस. छात्रों के व्यक्तिव में सर्वांगीण विकास करता है। इस अवसर पर डॉ. प्रीति रावत सहित स्वयं सेवी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय रावत ने किया।

घरेलू गैस सिलेंडर का किसी भी प्रकार से न करें दुरुपयोग : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद के अंतर्गत समस्त गैस उपभोक्ताओं को घरेलू उपयोग हेतु प्रदत्त एलपीजी गैस सिलेंडर का उपयोग घरेलू कार्यों में ही करना होगा। किसी व्यावसायिक या अन्य तरह से घरेलू गैस का उपयोग करना कानूनन अपराध की श्रेणी में आएगा जिस पर विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।वर्तमान में वैश्विक परिदृश्य के कारण जनपद में गैस आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित है। हालांकि गैस गोदामों में पर्याप्त मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं लेकिन साइन बुकिंग, डीएससी व ओटीपी जनरेशन प्राप्त करने की प्रक्रिया अत्यधिक फोन कॉल के कारण बाधित हो रही है। ऐसे में उपभोक्ता गैस एजेंसियों पर अपने परिवार जनों अथवा वाहनों के साथ एकत्रित हो रहे हैं जिस कारण जनपद की कानून एवं शांति व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना होने के साथ ही घरेलू गैस सिलेंडर पहुंचाने में अनावश्यक बाधा उत्पन्न हो रही है। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद जनपद के अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति घरेलू गैस सिलेंडर का दुरुपयोग करता है अथवा उसे अवैध रूप से भंडारण करता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी ने जनपद के अंतर्गत संचालित समस्त गैस उपभोक्ताओं सहित होटल, ढाबा संचालकों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्देशित करते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग न करें। साथ ही बताया कि जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर गैस एजेंसियों, गोदामों तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी, पौड़ी-गढ़वाल

संख्या :- 2004 /न0पा0पं0 / निवि.सू.-2025 / रा0वि0 / दिनांक : मार्च 17- 2026

निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद पौड़ी, द्वारा वर्ष 2025-026 हेतु पंजीकरण/पंजीकरण का नवीनीकरण करवाए हुए ठेकेदारों से राज्य वित्त/अन्य मदों के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों की सीलबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनांक 04-04-2026 को अपराह्न 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी में प्राप्त की जायेंगी तथा दिनांक 06-04-2026 को अपराह्न 04:00 बजे उपस्थित ठेकेदारों एवं अधोहस्ताक्षरी/ अधिकृत अधिकारी/गठित चयन समिति के समक्ष खोली जायेंगी।

निविदा प्रपत्र दिनांक 02-04-2026 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक निर्धारित शुल्क जमा कर कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक कार्य की निविदा के साथ कार्य की लागत का 3 प्रतिशत टी.डी.आर./ सी.डी.आर./एन.एस.सी./एफ.डी.आर. जो अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद पौड़ी के नाम बन्धक हो, लगानी अनिवार्य होगी। बिना धरोहर धनराशि वाली निविदाओं पर किसी भी प्रकार से कोई विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी निविदा/ समस्त निविदाओं को बिना किसी कारण बताये निरस्त / स्थगित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम वार्ड सहित	धरोहर धनराशि	निविदा फार्म का मूल्य (+)18% g.s.t.	निविदा की वैधता	कार्य की लागत (ला0रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदारी श्रेणी
1.	वार्ड न0-05 में डमरू हॉल के पास स्टोर रूम का निर्माण और रसोई की मरम्मत का कार्य।	36,000/-	2832.00	45 दिन	11.93 लाख	03 माह	ए
2.	वार्ड न0-11 पौड़ी में रमेश नेगी हाउस डांडापानी के पास नाला निर्माण कार्य।	30,000/-	2,360.00	45 दिन	9.89 लाख	03 माह	ए
3.	वार्ड न0-11 पौडी में प्रेमनगर गेट के पास से गणेश के घर तक नाले का निर्माण कार्य।	28,000/-	2147.00	45 दिन	9.06 लाख	03 माह	बी
4.	वार्ड न0-11 पौड़ी मांडाखाल में श्री ढोंडियाल आई0ए0एस0 के पास क्षतिग्रस्त रास्ता एवं रैलिंग का निर्माण कार्य।	30,000/-	2360.00	45 दिन	9.96 लाख	03 माह	बी
5.	वार्ड न0-11 पौडी में भाजपा कार्यालय के पास राजीव कुमार के घर तक गल्ला गोदाम में क्षतिग्रस्त रास्ते और नाली निर्माण कार्य।	22,000/-	1706.00	45 दिन	7.13 लाख	03 माह	बी
6.	वार्ड न0-06 पौड़ी स्थित सी0डी0ओ0 आवास के रास्ते में क्षतिग्रस्त दीवार का निर्माण कार्य।	27,000/-	2124.00	45 दिन	8.83 लाख	03 माह	ए
7.	वार्ड न0-09 पौड़ी में ट्रेचिंग ग्राउण्ड के पास अस्थायी एम0आर0एफ0 केन्द्र के लिये भूमि समतलीकरण का कार्य।	16,500/-	1300.00	45 दिन	5.43 लाख	03 माह	बी
8.	वार्ड न0-10 पौड़ी में लोअर चोपड़ा में एम0आई0सी0 स्कूल में दीवार रास्ता एवं रैलिंग निर्माण कार्य।	28,000/-	2242.00	45 दिन	9.29 लाख	03 माह	ए
9.	वार्ड न0-08 पौड़ी विकास भवन से विकास मार्ग तक मार्ग सुधारीकरण व न्यू मार्ग का निर्माण कार्य।	60,000/-	4720.00	45 दिन	19.92 लाख	03 माह	ए
10.	वार्ड न0-11 पौड़ी में प्रेमनगर में धारा के पास मनवर सिंह कण्डवाल के घर तक नाला और रास्ते का निर्माण कार्य।	27,000/-	2124.00	45 दिन	8.71 लाख	03 माह	ए
				योग			

शर्तेः– 1- निविदा फार्म के मूल्य का 18% प्रतिशत जी.एस.टी. के रूप में अतिरिक्त देय होगा।

2- निर्माण से सम्बन्धित समस्त सामग्री / उपकरण एंव अन्य निर्माण सम्बन्धी यंत्र आदि की व्यवस्था ठेकेदार के द्वारा स्वयं की जायेगी। पालिका द्वारा किसी भी प्रकार के उपकरण / सामग्री की आपूर्ति / व्यवस्था नहीं की जायेगी।

3- उपरोक्त के सम्बन्ध में अन्य जानकारियॉ कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी से ली जा सकती हैं। अनुबन्ध करते समय कुल धनराशि का 3 प्रतिशत राशि प्रत्येक निविदादाता को जमा करना अनिवार्य होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल

(1581/79)

संक्षिप्त समाचार

राजकीय पीजी कालेज कोटद्वार में पी०टी०ए० गठन की प्रक्रिया शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ,कोटद्वार के प्राचार्य प्रोफेसर डी०एस० नेगी ने बताया कि महाविद्यालय में सत्र 2025–26 हेतु नए अभिभावक शिक्षक संघ (पी०टी०ए०) का गठन किया जाना है। पी०टी०ए० के गठन हेतु महाविद्यालय में दिनांकः 29.03.2026 को प्रातः 11.00 बजे समस्त छात्र/छात्राएं अपने अभिभावकों को उपस्थित होने के सम्बन्ध में सूचित करें, जिससे सत्र 2025–26 के लिए महाविद्यालय में पी०टी०ए० का गठन किया जा सके। पी०टी०ए० गठन हेतु अनिवार्य प्रपत्र सचिव, पी०टी०ए० (डॉ० विनोद सिंह) से प्राप्त कर एवं पूरित करके दिनांक 28.03.2026 के अपराह्न 1.00 बजे तक अनिवार्य रूप से चित्रकला विभाग में जमा कर दें।

छात्रों ने अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में जीते पुरस्कार

श्रीनगर गढ़वाल : तमिलनाडु के कांचीपुरम में आयोजित 63वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में उत्तराखंड के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कुल 13 पुरस्कार जीते। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से 11 से 13 मार्च तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देवप्रयाग स्थित श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के मार्गदर्शन में प्रदेश के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में मयंक तिवारी ने साहित्यशलाका में तृतीय पुरस्कार के साथ 15 हजार रुपये नकद राशि प्राप्त की। वहीं सांख्ययोगभाषण में शुभांगिनी आर्या और अक्षरश्लोक में ऋतेश पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त कर पांच-पांच हजार रुपये का पुरस्कार जीता। कंठपाठ प्रतियोगिताओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को प्रथम पुरस्कार दिया गया। कंठपाठ के अलग-अलग विषयों में सक्षम आर्य ने अमरकोश, आरव आर्य ने अष्टाध्यायी, वरेण्या त्यागी ने उपनिषद और निशा नेगी ने काव्यकंठपाठ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

लैंसडौन में 12 दिवसीय स्पोर्ट्स कैंप शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : खेल प्रतिभाओं को निखारने एवं विद्यार्थियों में खेल कौशल विकसित करने के उद्देश्य से गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट सेंटर लैंसडौन के तत्वाधान में आर्मी पब्लिक स्कूल एवं क्षेत्र के अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित 12 दिवसीय खेल प्रशिक्षण शिविर बुधवार को डायस स्टेडियम में विधिवत शुरू हो गया है। शिविर के दौरान क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल एवं फुटबॉल जैसी खेल विधाओं में प्रशिक्षण विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा दिया जायेगा।

शिविर का उद्घाटन विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने किया। यह निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर 18 से 29 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में लैंसडाउन क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 6 से 11 तक के लगभग 100 विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रशिक्षण प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए अनुशासन, समर्पण और टीम भावना को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने विद्यालय के चेयरमैन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में खेल भावना, आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी प्रतिभागी इस प्रशिक्षण का लाभ उठाते हुए अपने खेल कौशल को निखारेंगे तथा भविष्य में अपने विद्यालय और देश का नाम रोशन करेंगे। इस मौके पर कर्नल कुलदीप सिरोही (सेना मेडल), मेजर अमरकांत, मेजर फ्रांसिस, विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

आधुनिक डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की दी जानकारी

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज श्रीनगर श्रीकोट बेस चिकित्सालय में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस मौके पर डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारियों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को आधुनिक डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसका उद्देश्य प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटलीकरण को गति देना है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की प्रबंधक प्रज्ञा पालीवाल ने प्रतिभागियों को आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट), एचपीआर (हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्रेशन), एचएफआर (हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन) तथा एचएमआईएस (हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम) से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। बताया कि वर्तमान में मिशन के अंतर्गत 83 लाख से अधिक हेल्थ रिकॉर्ड लिंकेज, 70 लाख से ज्यादा आभा आईडी और लगभग 10 हजार हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली को अपनाने से मरीजों को तेज, सटीक और पारदर्शी चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी। कार्यशाला में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े रमेश नेगी, नवीन चमोली, नवीन शुक्ला, अमृत पोखरियाल, प्रणव शर्मा सहित बेस चिकित्सालय की डिप्टी एमएस डॉ. दीपा हटवाल, संजय पांडे आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

शराब के ठेके के विरोध में चल रहा जनांदोलन क्रमिक अनशन में तब्दील

श्रीनगर गढ़वाल : तीर्थनगरी में शराब के ठेके के खिलाफ चल रहा जनांदोलन बुधवार को चौथे दिन क्रमिक अनशन में तब्दील हो गया। आंदोलनकारी महिलाओं ने सरकार की आबकारी नीति के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए स्पष्ट किया कि जब तक ठेका निरस्त नहीं होता उनका संघर्ष जारी रहेगा। क्रमिक अनशन के पहले दिन क्षेत्र की नौ महिलाएं शामिल रहीं, जिनमें कमला देवी, कोसला देवी, जसोदा देवी, गोदावरी देवी, पूनम देवी, डब्बी देवी और मीना देवी शामिल रहीं।

आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे उत्तराखंड क्रांति दल के पौड़ी जिला अध्यक्ष अर्जुन नेगी ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस देवभूमि की पहचान उसकी पवित्रता और संस्कृति है सरकार वहां शराब की संस्कृति को थोपकर उसे नष्ट करने पर तुली है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के बजाय केवल राजस्व के लालच में पहाड़ के शांत परिवेश को दूषित कर रही है। अनशन पर बैठी सुनीता देवी ने कहा कि शराब की दुकान खोलना पहाड़ की अस्मिता पर काला धब्बा है। वहीं जिला पंचायत सदस्य पुष्पा रावत ने कहा कि विडंबना है कि सरकार अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती करने के बजाय गांव-गांव में शराब की दुकानें खोलने को प्राथमिकता दे रही है। धरना स्थल पर क्षेत्र पंचायत सदस्य सीताराम राणाकोटी, सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद नारायण भट्ट, नेत्र सिंह, जनार्द्धन राणाकोटी, ममता देवी, सीमादेवी, मंजूदेवी, अंजू देवी, उप्पा देवी, जसोदा देवी, सुरेशी देवी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

सड़क का एलाइनमेंट तय मानकों के अनुसार नहीं करने का आरोप

उत्तरकाशी। मोरी प्रखंड के तहत निर्माणाधीन सौड़ तालुका, ओसला मोटर मार्ग पर सड़क कटिंग को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सड़क का एलाइनमेंट तय मानकों के अनुसार नहीं किया जा रहा जिससे भविष्य में वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने मौके पर जाकर इसका विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क कटिंग ऐसे खड़ी और कठिन ढलान वाले हिस्सों से की जा रही है जहां वर्तमान में खच्चरों का चलना भी मुश्किल है। ऐसे में मार्ग पर बड़े वाहनों का संचालन सुरक्षित और सुचारू रूप से हो पाना संदिग्ध है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि निर्माण कार्य इसी तरह जारी रहा तो करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। ग्रामीणों ने कार्यदायी संस्था पीएमजीएसवाई से मांग की है कि निर्माण कार्य की सख्त निगरानी की जाए और ठेकेदार द्वारा मनमाने तरीके और खासकर रात के समय किए जा रहे कार्यों पर रोक लगाई जाए। चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

विरोध जताने वालों में हरिचंद, हदेश, उमराल सिंह, शलदार, रमेश लाल, मारकंडी, गजेंद्र और बृजमोहन लाल सहित कई लोग शामिल हैं। वहीं, पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता सुभाष दोरियाल ने बताया कि सड़क कटिंग का कार्य अभी प्रारंभिक चरण में है और मौके पर दो कनिष्ठ अभियंताओं की निगरानी में कार्य मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है।

पुरोला में रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ी

उत्तरकाशी। नगर पालिका क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत ने उपभोक्ताओं को मुश्किल में डाल दिया है। उपभोक्ताओं के लिए निर्धारित 25 दिन की समय सीमा पूरी होने के बाद भी दूसरा गैस सिलिंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है जिससे आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि तय अवधि पूरी होने के बावजूद न तो गैस सिलिंडर दिया जा रहा है और न ही नई बुकिंग स्वीकार की जा रही है। गैस एजेंसी के बार—बार चक्कर लगाने के बावजूद लोग खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं जिससे नाराजगी बढ़ रही है। स्थानीय उपभोक्ता राजपाल पंवार, नवीन गैरोला, राजेंद्र गैरोला, कवींद्र असवाल, जयदेव चमियाल, भगवान सिंह चौहान और पवन नौटियाल ने बताया कि समय सीमा पूरी होने के बाद भी गैस न मिलने से घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। वहीं, व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति ठप होने से होटल और ढाबा संचालक भी संकट में हैं। कई व्यवसायी डीजल भट्टी के सहारे काम चलाने को मजबूर हैं। इस संबंध में खाद्य आपूर्ति विभाग के उप निरीक्षक रमेश खरोला ने बताया कि गैस एजेंसी के पोर्टल में पुरोला पालिका क्षेत्र को गलती से ग्रामीण क्षेत्र में दर्ज कर दिया गया है ।

मॉक ड्रिल कर आपदा प्रबंधन हेतु परखी व्यवस्थाएं

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद चमोली में बुधवार को आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने एवं विभिन्न विभागों के समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से एक व्यापक मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में विभिन्न आपदा परिदृश्यों को शामिल करते हुए त्वरित प्रतिक्रिया एवं राहत-बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने वर्चुअल माध्यम जुड़कर से मॉक अभ्यास का जायजा लिया। एडीएम ने बताया कि इस प्रकार के अभ्यासों का उद्देश्य आपदा के समय प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करना एवं आपदा के समय जनहानि को न्यूनतम करना रहा।

इस दौरान जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मॉक अभ्यास में प्रतिभाग किया। मॉक अभ्यास के अंतर्गत अलग-अलग स्थानों पर निम्न घटनाओं का परिदृश्य तैयार किया गया। टीएचडीसी टनल, बिरही में सुरंग धंसने की घटना में 02 व्यक्तियों के फंसे होने की सूचना पर एसडीआरएफ, पुलिस, तहसील प्रशासन, डीडीआरएफ एवं मेडिकल टीम द्वारा त्वरित रेस्क्यू कर दोनों व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया। परसाड़ी रोड के निकट टीवी टावर ज्वाइंट पर भवन ध्वस्त होने की घटना में 02 व्यक्तियों के घायल एवं 01 की मृत्यु की सूचना पर संबंधित टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य संचालित किया तथा घायलों को चिकित्सालय पहुंचाया। जीआईसी कर्णप्रयाग के निकट 5.0 तीव्रता के भूकंप के परिदृश्य में एक भवन के क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर रेस्क्यू टीमों द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 02 सामान्य एवं 01 गंभीर घायल को सुरक्षित निकाला गया। साथ ही एक गौशाला के क्षतिग्रस्त होने एवं पशुओं के घायल होने की स्थिति का भी प्रबंधन किया गया। तहसील कार्यालय परिसर, थराली में भूस्खलन की घटना में 03 व्यक्तियों के दबने की सूचना पर बचाव दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को बाहर निकालकर उपचार हेतु भेजा गया। पॉलीटेक्निक गैरसैंण के निकट वनाग्नि की घटना में वन विभाग, पुलिस एवं अन्य टीमों द्वारा मौके पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण पाया गया तथा एक घायल व्यक्ति को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया।

कॉलेज का रजत जयंती वार्षिकोत्सव में 25 मेधावी सम्मानित

उत्तरकाशी। राजकीय महाविद्यालय में रजत जयंती वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। वहीं, महाविद्यालय ने मुख्य अतिथियों से 25 मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। महाविद्यालय में आयोजित रजत जयंती वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. प्रभात द्विवेदी और विशिष्ट अतिथि देहरादून छावनी क्षेत्र की विधायक सविता कपूर ने किया। इस दौरान प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय की रजत जयंती केवल एक उत्सव नहीं बल्कि संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों, छात्राओं की सफलता और शिक्षकों के समर्पण का प्रतीक है। वहीं, देहरादून छावनी क्षेत्र की विधायक सविता कपूर ने कहा कि मेधावी छात्राओं का सम्मान केवल उनकी उपलब्धि का उत्सव नहीं है।

गोपेश्वर में तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जनपद चमोली के जिला सभागार में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश की अध्यक्षता में बुधवार से तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला सभागार गोपेश्वर में शुरू हो गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना सम्बन्धी आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने बताया कि आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर जनपद में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 18 से 20 मार्च के मध्य करवाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना सम्बन्धी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 देश की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना होगी, जो दो चरणों में आयोजित की जाएगी प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और आवास गणना व दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी। जनसंख्या प्रशिक्षण 2027 के मुख्य उद्देश्य मोबाइल ऐप के माध्यम से सटीक डेटा संकलन, जीपीएस तकनीक द्वारा गणना ब्लॉक का सही सीमांकन, जाति और सामाजिक-आर्थिक डेटा की सही प्रविष्टि, सुरक्षित और पारदर्शी डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन है। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर एवं मुख्य कृषि अधिकारी चमोली जय प्रकाश तिवारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, सुशीला और सभी फील्ड ट्रेनर्स एवं सम्बन्धित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

छत तोड़कर कमरे में गिरा बोल्डर, बाल-बाल बचा परिवार

चमोली : हेमकुंड साहिब व फूलों की घाटी के प्रमुख पड़ाव पुलना गांव में मंगलवार देर रात पहाड़ी से बोल्डर छिटककर एक घर की छत को तोड़कर कमरे में आ गिरा। कमरे में परिवार के सदस्य सो रहे थे। गनीमत रही कि बोल्डर कमरे में बिस्तर के पास गिरा जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। बोल्डर गिरने से दूसरे घर की दुकान भी टूट गई और बोल्डर छत पर जा गिरा। प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आंकलन किया। गोविंदघाट से करीब तीन किमी. की दूरी पर स्थित पुलना गांव में मंगलवार रात करीब एक से डेढ़ बजे पहाड़ी से बोल्डर छिटक गए। बोल्डरों ने प्रकाश नेगी और मकर सिंह के मकान को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक बोल्डर प्रकाश नेगी के घर की छत पर गिरा, जबकि दूसरा बोल्डर छत को तोड़ते हुए उनके कमरे में बिस्तर के पास आ गिरा। प्रकाश नेगी, उनकी पत्नी व दो बच्चे इसी कमरे में सो रहे थे। हादसे के तुरंत बाद परिवार के लोग भागकर सुरक्षित जगह पर पहुंचे। हादसे से परिवार के लोग सहमे हैं। बोल्डर से छत पर रखी पानी की टंकी भी टूट गई। प्रकाश नेगी ने बताया कि दूसरा बोल्डर मकर सिंह की दुकान को तोड़ते हुए उनकी छत तक पहुंच गया। गनीमत रही कि बोल्डर से किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई है। घटना की सूचना पर सुबह तहसील प्रशासन की टीम गांव में पहुंची और नुकसान का जायजा लिया। एसडीएम ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ट ने बताया कि घटना की सूचना पर टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने नुकसान का आंकलन किया है। प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई–टेण्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं, जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेण्डर संख्या दिनांक	330-DRM-MB-25-26 17.03.2026
कार्य का नाम	Providing rockfall protection and slope mitigation measures for tunnel portal T1/1,T1/2,T2/1,T2/2 and rock fall location between HW-MOTC and DWO-HRW.
निविदा	Special Limited Tender
सिंगल पैकेट/टू पैकेट	Two packet
निविदा का प्रकार	Works
निविदा की कीमत	Nil
अनुमानित लागत (रु.)	14,08,40,721.87
धरोहर राशि (रु.)	28,16,900.00
टेण्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	16.04.2026, 16:00 hrs.
बिडिंग स्टार्ट तिथि	02.04.2026
ऑफर की वैधता	90 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 Months

नं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 17.03.2026 920/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दून अस्पताल में कंधे और घुटने की दूरबीन विधि से सर्जरी

देहरादून।दून मेडिकल कॉलेज में कंधे एवं घुटने की दूरबीन विधि से हड्डी रोग विभाग के डॉक्टरों द्वारा सर्जरी की जा रही है।

विभाग के एचओडी प्रो. डॉ. अनिल जोशी, डॉ. पवनीश लोहान, डॉ. मानवेन्द्र सिंह रावत, डॉ. निशांत बसोया और डॉ. आदित्य कुमार सिंह की टीम ने उत्तरांचल ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के 22वें वार्षिक सम्मेलन में अस्पताल की ओटी से लाइव सर्जरी कर इसका प्रदर्शन किया।

हर्षिल—झाला में अंग्रेजी शराब की दुकान खोलने का विरोध

उत्तरकाशी। गंगोत्री धाम के समीप हर्षिल झाला में आबकारी विभाग की ओर से प्रस्तावित अंग्रेजी शराब की दुकान का स्थानीय लोगों सहित गंगोत्री मंदिर समिति और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध शुरू कर दिया है।

उनका कहना है कि एक ओर अब चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है दूसरी ओर धाम से महज 20 किलोमीटर की दूरी पर शराब की दुकान खोलकर धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। कहा कि अगर दुकान खोली गई तो उसके खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

आबकारी विभाग की ओर से एक बार फिर हर्षिल–झाला में शराब की दुकान खोलने को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कांग्रेस कमेटी और युवा कांग्रेस व गंगोत्री मंदिर समिति सहित हर्षिल घाटी के जनप्रतिनिधियों ने इस संबंध में जिलाधिकारी और आबकारी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उनका कहना है कि पूर्व में भी हर्षिल में अंग्रेजी शराब दुकान खोलने को लेकर निविदाएं आमंत्रित की गई थी। उस समय भी क्षेत्र के लोगों के विरोध के चलते आबकारी विभाग को वहां पर निविदाएं निरस्त करनी पड़ी थी लेकिन अब दोबारा आबकारी विभाग की ओर से इसकी कार्रवाई शुरू कर दूरस्थ क्षेत्र में शराब की दुकान खोलने की तैयारी की जा रही है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि हर्षिल और झाला गंगोत्री धाम से महज 20 से 25 किमी की दूरी पर स्थित है।

आगामी चारधाम यात्रा में वहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगोत्री धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसलिए धाम के समीप शराब की दुकान खोलने से वहां के सामाजिक और धार्मिक माहौल पर असर पड़ेगा। अगर इन आदेशों को तत्काल निरस्त नहीं किया जाता है तो इसके खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मनीष राणा, शीशपाल पोखरियाल, मनोज कुमार राही, पपेंद्र नेगी, सुधीश पंवार, भगवान चंद आदि मौजूद रहे।

उत्तरकाशी में मनरेगा कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

उत्तरकाशी। जनपद में मनरेगा कार्यों को गति देने के लिए मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह ने सभी खंड विकास अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की।

बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मनरेगा कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और सभी अपूर्ण कार्यों को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में आ रही छोटी–छोटी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जाए। साथ ही ई–केवाईसी, जॉब कार्ड और अन्य मनरेगा से जुड़े कार्यों की गहन जांच कर शत–प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने को कहा। बैठक में मोरी, नौगांव, पुरोला, चिन्यालीसौड़ और डुंडा ब्लॉकों में चल रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान खासतौर पर मोरी और नौगांव में कार्यों की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए। वर्चुअल बैठक में परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अजय सिंह, बीडीओ भटवाड़ी अमित ममगाईं, डुंडा से दिनेश चंद्र जोशी, पुरोला से सुरेश चौहान समेत विभिन्न ब्लॉकों के अधिकारी भी शामिल रहे। अधिकारियों का कहना है कि इन निर्देशों के बाद मनरेगा कार्यों में तेजी आएगी और अधूरे काम जल्द पूरे होंगे जिससे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आईडेन्टिटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी०एस०टी० व ई०पी०एफ० में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हों) दिनांक 08.04.2026 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती हैं जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 07.04.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
30/2025–26	रू0 1000/–	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	45000.00

पत्रांक : 744/विविखको/टी–6
दिनांक : 18.03.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

सीएम धामी ने श्री श्री रविशंकर जी से शिष्टाचार भेंट कर आशीर्वाद लिया

ऋषिकेश। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ऋषिकेश में श्री श्री रविशंकर जी से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दोनों के बीच सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित श्री श्री रविशंकर जी द्वारा स्थापित आर्ट ऑफ़ लिविंग संस्था विश्वभर में शांति, योग और मानवीय मूल्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उनके मार्गदर्शन से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है, जो उत्तराखंड जैसे आध्यात्मिक प्रदेश के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। श्री श्री रविशंकर जी ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद देते हुए राज्य की उन्नति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की आध्यात्मिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य इसे वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं और इसे और सशक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री ने संत–महात्माओं के मार्गदर्शन को राज्य के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण बताया।

बीएसएफ स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने पर 19 अप्रैल को दून में होगी मैराथन

देहरादून।सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने पर आगामी 19 अप्रैल को दून में मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। दौड़ बीएसएफ साहसिक प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई) डोईवाला की ओर से रायपुर स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में कराई जाएगी। प्रतियोगिता दो श्रेणियों में होगी।

पहली श्रेणी 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन है। जिसमें 19 से 50 वर्ष (ओपन) और 50 वर्ष से अधिक (मास्टर्स) आयु वर्ग के महिला व पुरुष धावक हिस्सा लेंगे। वहीं, दूसरी श्रेणी 10 किलोमीटर दौड़ की है। जिसमें 14 से 18 वर्ष के किशोर–किशोरियों के अलावा ओपन व मास्टर्स श्रेणी के प्रतिभागी भी शामिल हो सकेंगे।

जयन्त

संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com